युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने की जरूरत : कुलपति

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में 'हाउ टू प्लान फॉर स्टार्टअप एंड लीगल एंड एथिकल स्टेप्स' विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज केवल कक्षा शिक्षण और डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व की वर्तमान आवश्यकता यह है कि हम अपने युवाओं को एंटरप्रेन्योरशिप से जोड़ें और उन्हें ऐसा मार्गदर्शन दें जिससे वे अपने विचारों को सफल बिजनेस वेंचर में परिवर्तित कर सकें।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर छात्रों को इस दिशा में न केवल सहायता करेगा, बल्कि उन्हें रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ रंजन कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन ग्वालियर एवं जेएमसी स्टडी हब के संस्थापक ने अपने संबोधन में कहा कि "स्टार्टअप की शुरुआत सिर्फ कंपनी खोलने से नहीं, बल्कि किसी सामाजिक, आर्थिक या स्थानीय समस्या को हल करने की सोच से होती है। जब इस सोच में सही योजना, कानूनी जानकारी और नैतिक दृष्टिकोण जुड़ जाता है, तभी वह स्टार्टअप सफल होता है।" उन्होंने बताया कि आज के युवा सिर्फ नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इसके लिए स्पष्ट विजन, मजबूत योजना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना होना आवश्यक है। उन्होंने स्टार्टअप से जुड़े जमीनी पहलुओं को सरल उदाहरणों और कहानियों के माध्यम से समझाया। इस अवसर पर आईआईसी के प्रेसीडेंट डॉ सजीवन कुमार, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, सुश्री क्षमारानी साहू, सत्यवान साहू, निरंजन कुमार, विमलेश साहू, इंदू बेक सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सोच स्पष्ट और संकल्प मजबूत हो

मुख्य वक्ता ने कहा कि भारत में प्रतिदिन 80 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हो रहे हैं, और यह देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। इस बदलते दौर में युवाओं को चाहिए कि वे अपनी सोच को व्यवसायिक दिशा दें। उन्होंने बूटस्ट्रैपिंग, एंजल इन्वेस्टमेंट, गवर्नमेंट स्कीम्स और सीएसआर जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की और समझाया कि स्टार्टअप का आरंभ साधारण ढंग से भी हो सकता है, बशर्ते सोच स्पष्ट हो और संकल्प मजबूत हो।

स्टार्टअप प्लेटफार्म बहुत बड़ा मंच

डॉ कुमार ने बताया कि कैसे यह प्लेटफ़ॉर्म आज पत्रकारिता एवं जनसंचार विद्यार्थियों के लिए देश का सबसे बड़ा ऑनलाइन मंच बन चुका है, जिससे अब तक 10,000 से अधिक छात्रों को यूजीसी, नेट व अन्य परीक्षाओं में सफलता मिली है। सत्र के अंत में उन्होंने युवाओं से कहा, "चोटी की सफलता की शुरुआत एक साधारण सोच से होती है। अगर आपके पास एक विचार है, तो उसे आज ही कार्यान्वित करने का साहस कीजिए-वक्त का इंतजार मत कीजिए, कदम बढ़ाइए और बदलाव का हिस्सा बनिए।